एकांकी संकलन

एक अध्ययन

कमल प्रकाशन
रांची

एकांकी संकलन : एक अध्ययन

लेखक

डॉ० एस. एल. गौतम

एम०, ए०, पी०एच०डी०

प्रकाशक

कमल प्रकाशन, राँची

प्रकाशक
कमल प्रकाशन
कार्यालय : हिन्दपिढ़ी, राँची–१
बिक्रीकेन्द्र : कोतवाली रोड, राँची–१

प्रथम संस्करण : १९७१
मूल्य : ४.००
[सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन]

मुद्रक
चन्द्रोदय प्रेस
सैदपुर, पटना–४

अनुक्रमणिका

क्रम-संख्या		पृष्ठ-संख्या
१. भूमिका		
	एकांकी : परिभाषा-उद्भव और विकास	७
	एकांकी के प्रकार	१३
	एकांकी एवं नाटक में अन्तर	१३
	एकांकी के आधारभूत तत्त्व	१४
२. सोन का वरदान		
	डॉ० रामकुमार वर्मा एवं उनकी एकांकी कला	२
	सोन का वरदान : कथासार	५
	सोन का वरदान और उसकी विशिष्टताएँ	७
	प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण : अशोक, सुगाम	९
३. समस्या का अन्त		
	उदय शंकर भट्ट एवं उनकी एकांकी-कला	१४
	समस्या का अन्त : कथासार	१७
	समस्या का अन्त और उसकी विशिष्टताएँ	१९
	प्रमुख पात्रों का चरित्र--चित्रण : श्रुतिबुद्धि, माणविका	२२
४. तूफान से पहले		
	उपेन्द्रनाथ अश्क एवं उनकी एकांकी-कला	२६
	तूफान से पहले : कथासार	२९
	तूफान से पहले और उसकी विशिष्टताएँ	३२
	प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण : घीसू, क्याजमियाँ, गिरधारी दादा	३५
५. भाषण		
	जगदीशचन्द्र माथुर एवं उनकी एकांकी-कला	३८
	भाषण : कथासार	४१
	भाषण और उसकी विशिष्टताएँ	४२
	प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण : हरीशनन्दन, मोहनी, रहोम	४५

६. स्ट्राइक

भुवनेश्वर एवं उनकी एकांकी-कला ५०

स्ट्राइक : कथासार ५३

स्ट्राइक और उसकी विशिष्टताएँ ५५

प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण : पुरुष, स्त्री ५७

७. सड़क

विष्णु प्रभाकर और उनकी एकांकी-कला ६०

सड़क : कथासार ६१

सड़क और उसकी विशिष्टताएँ ६४

- एकांकी : परिभाषा, उद्भव और विकास
- एकांकी के प्रकार
- एकांकी एवं नाटक में अन्तर
- एकांकी के आधारभूत तत्त्व

हमारे विश्वविद्यालय स्तरीय आलोचनात्मक प्रकाशन

- हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
  —डा० बच्चन पाटक 'सलिल' ५·००
- नागपुरी भाषा और साहित्य
  —प्रो० विसेश्वर प्रसाद 'केसरी' ३·००
- नागपुरी के साहित्य सेवी
  —डा० श्रवण कुमार गोस्वामी ३·००
- उरांव लोकगीत
  —कौसलेश्वर प्रसाद २·००
- बघेलखंड के लोकगीत
  —श्रीमती कुन्तल गोयल ३·००
- हिन्दी के प्रमुख एकांकी और एकांकीकार
  —डा० गंगा प्रसाद गुप्त 'बरसैया' ४·००
- हिन्दी की प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार
  —डा० प्रवीण नायक ५·००
- बिहार के हिन्दी साहित्यकार
  —जिनेन्द्र कुमार जैन ५·००
- प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक
  —डा० रामनारायण सिंह 'मधुर' ५·००
- व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण
  —प्रो० छविनाथ मिश्र ४·००

कमल प्रकाशन, हिन्दपिढ़ी, राँची-१